ADVERTISEMENT

बाजार बंद होने के बाद Vedanta Group की इस कंपनी को लेकर आई अपडेट, MoU पर हुए साइन, कल स्टॉक पर रखें नजर

कंपनी का कहना है कि भूमिगत खनन में हाइड्रोजन ईंधन के इस्तेमाल की संभावनाओं का वैल्यूएशन इस परियोजना का प्रमुख हिस्सा होगा. अगर यह सफल रहता है तो हिंदुस्तान जिंक इस तकनीक को भूमिगत खनन में अपनाने वाली देश की पहली कंपनी बन सकती है.

By CNBC Awaaz
June 22, 2026, 11:19:25 PM IST (Published)

Impact Shorts
Big News, Made Easy

1 Min Read

Vedanta Group की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (Hindustan Zinc) ने अपने खनन से जुड़े ऑपरेशन्स को लेकर नई अपडेट दी है.

ADVERTISEMENT
Ad

Currency

Currency	Price
Dollar-Rupee	95.
Euro-Rupee	109.
Pound-Rupee	127.

ADVERT

You May Like
Help her! Spinal inj
future.
Give Hope India

Help! His treatmen
₹6 lakhs.
Give Hope India

Dual-mentorship m
Bits Pilani Digital

Learn by solving re
Bits Pilani Digital

कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में ग्रीन हाइड्रोजन और अन्य क्लीन एनर्जी सॉल्यूशन्स के इस्तेमाल की संभावनाओं को तलाशने के लिए Advantek Associates LLP और Aero Eagle Automobiles Private Limited के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं.

You May Like

Hindustan Zinc Stock Crash: चांदी में कमजोरी और डॉलर की मजबूती से हिंदुस्तान जिंक के शेयर में 5% की गिरावट

Metal Stocks Down: नालको के शेयर में भारी गिरावट क्यों? वेदांता 9% टूटा, जानिए ऐसा क्या हुआ अचानक

कंपनी का दावा है कि वह भारत के खनन क्षेत्र में हाइड्रोजन फ्यूल आधारित समाधानों का वैल्यूएशन करने वाली पहली कंपनी बन गई है.

क्या है डील का मकसद?

कंपनी ने बताया कि इस साझेदारी का मकसद कम-कार्बन और भविष्य के लिए तैयार (Future-Ready) खनन ऑपरेशन को तैयार करना है. इसके तहत भूमिगत खनन (Underground Mining), भारी अर्थ-मूविंग मशीनरी, सतही वाहनों, जनरेटर और अन्य ऑपरेशनल टूल्स में हाइड्रोजन आधारित टेक्निकल के इस्तेमाल की संभावनाओं का अध्ययन किया जाएगा.

भूमिगत खनन में हाइड्रोजन तकनीक पर फोकस

हिंदुस्तान जिंक इस सहयोग के तहत ग्रीन हाइड्रोजन प्रोडक्शन, स्टोरेज, डिस्ट्रिब्यूशन इंफ्रास्ट्रक्चर और हाइड्रोजन से ऑपरेशनल टूल्स की व्यवहार्यता का आकलन करेगी.

Suggested For You

FII Big News: पलटा खेल! जानिए जून के दूसरे पखवाड़े में एफआईआई ने किन सेक्टर्स में की 14,100 करोड़ रुपये की खरीदारी

Semiconductor Big News: PM Modi की मौजूदगी में CG Power ने जापान भेजी पहली सेमीकंडक्टर चिप

Ather Energy जुटाएगी 1700 करोड़ रुपये! अगले हफ्ते हो सकता है एलान- ब्लूमबर्ग

क्रूड ऑयल बाजार में बड़ा उलटफेर! गिरावट और बढ़ती सप्लाई ने पलटा पूरा खेल, देखें VIDEO

Q1 Results Preview: कौन से बैंकों के शेयर मचा सकते हैं धमाल, कौन करेगा निराश? नतीजों से पहले पूरी कहानी समझिए

कंपनी Hydrogen Internal Combustion Engine (H2-ICE) और फ्यूल सेल

तकनीकों के उपयोग की भी जांच करेगी.

कंपनी का कहना है कि भूमिगत खनन में हाइड्रोजन ईंधन के इस्तेमाल की संभावनाओं का वैल्यूएशन इस परियोजना का प्रमुख हिस्सा होगा. अगर यह सफल रहता है तो हिंदुस्तान जिंक इस तकनीक को भूमिगत खनन में अपनाने वाली देश की पहली कंपनी बन सकती है.

नेट जीरो लक्ष्य की दिशा में कदम

हिंदुस्तान जिंक ने 2050 या उससे पहले नेट जीरो उत्सर्जन (Net Zero Emissions) हासिल करने का लक्ष्य रखा है. कंपनी के CEO अरुण मिश्रा ने कहा कि हाइड्रोजन तकनीक भारी मशीनरी से होने वाले उत्सर्जन को कम करने और खनन क्षेत्र को अधिक टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है.

उन्होंने कहा कि यह साझेदारी खनन इंडस्ट्री में क्लीन एनर्जी अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और कंपनी को ग्लोबल स्थिरता मानकों के अनुरूप भविष्य के लिए तैयार मेटल बिजनेस बनाने में मदद करेगी.

चरणबद्ध तरीके से होगा काम

इस पहल की शुरुआत टेक्निकल, ऑपरेशनल, सिक्योरिटी, पर्यावरणीय और वित्तीय व्यवहार्यता अध्ययनों से होगी. पॉजिटिकल परिणाम मिलने पर प्रोजेक्ट का विस्तार कर खनन उपकरणों, भारी मशीनों, भूमिगत और सतही वाहनों तथा अन्य परिचालन परिसंपत्तियों में हाइड्रोजन आधारित समाधानों को लागू किया जा सकता है.

खनन और धातु इंडस्ट्री जैसे एनर्जी-गहन क्षेत्रों में हाइड्रोजन भवष्य के स्वच्छ ईंधन के रूप में उभर रहा है. ऐसे में हिंदुस्तान जिंक की यह पहल भारतीय खनन उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकती है.

ADVERTISEMENT

Ad

शेयर बाजार (स्टॉक मार्केट) की ब्रेकिंग न्यूज़ और स्टॉक टिप्स, पर्सनल फाइनेंस, इन्वेस्टमेंट स्कीम और आपके फायदे की खबर सिर्फ सीएनबीसी आवाज पर मिलेगी. आप अपना फेवरेट चैनल CNBC Awaaz Live Hindi | सीएनबीसी आवाज लाइव TV को यहां देखे . साथ ही सीएनबीसी आवाज़ फेसबुक और ट्विटर पर फॉलो करें.

Tags